







## ब्लाक हलिया के बरौद्धा राजकीय बालिका इंटरमीडिएट कालेज में बायोमेट्रिक हाजिरी में ही फ्राड गिरी पकड़ में आई है

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रभारी प्रधानाध्यापक राम प्रताप ने जिलाविद्यालय निरीक्षक अमरनाथ सिंह को लिखित रूप से शिकायत की है। की दुरभिसंधि यह है कि प्रभारी प्रधानाचार्य अवकाश पर रहते हुए बायोमेट्रिक हाजिरी में उपस्थित और चतुर्थ श्रणी कर्मचारी रामपोश उपस्थित रहते हुए भी अनुपस्थित रहा। इस बाबत

प्रभारी प्रधानाध्यापक राम प्रताप ने जिलाविद्यालय निरीक्षक अमरनाथ सिंह को लिखित रूप से शिकायत की है। की दुरभिसंधि यह है कि प्रभारी प्रधानाचार्य अवकाश पर रहते हुए बायोमेट्रिक हाजिरी में उपस्थित और चतुर्थ श्रणी कर्मचारी रामपोश उपस्थित रहते हुए भी अनुपस्थित रहा। इस बाबत

## विन्द्याचल का नवरात्र मेला

### २५/२६ सितम्बर की रात्रि से शुरू हो रहा है

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिजापुर। डीएम प्रवीण कुमार लक्ष्मकार ने सोमवार को विन्द्याचल स्थित प्रशासनिक कैम्प कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान पात्र चला कि काली खाद और अष्टभुजा मार्ग को दुरुस्त करा दिया गया है। डीएम ने लोक निर्देशित विभाग की निर्देशित किए कि दुरुस्त में वार्षिक बायोमेट्रिक मार्ग और प्रशासनिक भवन तक सड़क की मरम्मत तृतीय दुरुस्त करा दिया जाए ताकि मेला के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाये। डीएम

ने सभी कार्यालयी संस्थाओं को निर्देशित किए कि 20 सितम्बर तक सभी कार्य पूर्ण करा दिया जाए। इसकी प्रतिदिन कायोजनों जनकार नगर मजिस्ट्रेट को मंगलवार तक उपलब्ध करा दें। उहाँने कहा कि कायोजन के अनुसार कार्य को सम्पादित करायें। अधिकारी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किए कि सभी गालियों और नालियों की सफाई शीघ्र कर ले और नाली से निकाल गए मलबे को तकाल हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिजापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के पक्के पेखरा मोहल्ले में शराब पीने के दौरान पैसों को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की गल में दुर्बलाइट घोपकर हत्या किए जाने के मामले में सोमवार को सुबह पास्टराम होने के बाद वार्षिक संतोष कुमार मिश्र ने हत्या के इस मामले में लापरवाही बरतने के अरोप में कर्वाही उपनिवेशीक अनिन्दि कुमार को निलंबित कर दिया है। उहाँने शहर कोतवाल अरविंद कुमार मिश्र के खिलाफ विभागीय जांच का आदेश भी दिया है।

मिजापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के पक्के पेखरा मोहल्ले में शराब पीने के दौरान पैसों को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की गल में दुर्बलाइट घोपकर हत्या किए जाने के अरोपीयों को पुलिस ने बताया के इस मामले में लापरवाही बरतने के अरोप में कर्वाही उपनिवेशीक अनिन्दि कुमार को निलंबित कर दिया है। उहाँने शहर कोतवाल अरविंद कुमार मिश्र के खिलाफ विभागीय जांच का आदेश भी दिया है।

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिजापुर। मिजापुर जातीय मामले से संबंधित न्यायालय के निण्या को देखते हुए पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने पुलिस और पीसीस के जवानों के साथ नगर में पैदल मार्च किया। पुलिस कार्यालय से शुरू हुआ पैदल मार्च नगर के प्रमुख इलाकों से होते हुए वापस कार्यालय पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने नागरियों, व्यवसायियों व विभिन्न संप्रदाय के लोगों से संवाद भी स्थापित किया।

मिजापुर। मिजापुर अहरोरा सोनभद्र बॉर्डर से सदे खप्पर बाबा आश्रम के पास रविवार की रात गैरसर मामले में फरार चल रहे अरोपी की मिरफतारी के लिए हार्दिक टीम पर बदमाश ने भाग रहे एक बदमाश को ढोच दिया। फायर से बचते हुए पुलिस ने भाग रहे एक बदमाश को ढोच दिया। उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

## चोरी कि योजना बनाने वाले व्यक्तियों कि औजार सहित 4 सातिर चोरों कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

विधिक कार्वाई की जा रही है। जनपद सोनभद्र में चोरी की घटना पर प्रभावी अपाराधिक इतिहास निम्नत है। गिरफ्तार अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 2. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 3. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 4. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 5. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 6. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 7. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 8. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 9. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 10. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 11. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 12. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 13. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 14. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 15. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 16. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 17. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 18. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 19. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 20. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 21. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 22. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 23. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 24. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 25. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 26. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 27. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 28. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 29. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 30. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 31. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 32. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 33. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 34. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 35. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल पुत्र राजक्षम लगाने एवं उसमें संलिप्त अपाराधियों की गिरफतारी हेतु 36. रावडर्संगज अधियुक्तगण का विवरण- 1. संताप जायसवाल प



## सम्पादकीय

किसी से न डरने वाले  
आंदोलनवीर, और  
अग्निवीरों की भर्ती

करने की क्या जरूरत

देश में कुछ खुशकिस्मत ऐसे भी हैं जिन्हें पनपन, फलने-फूलने के लिए किसी सहारे की जरूरत नहीं। वे पैदायशी निंदर होते हैं। कानन की कुल्हाड़ी उनकी जड़ पर जितनी गहरी चोट करती है, उनकी हिम्मत उतनी ही बढ़ती जाती है। पूरा देश मुँह बाए उनकी काली करतूतों को उजागर होते देखकर उम्मीद लगाता है कि अब वे त्राहिमाम की टेर लगाते हुए किसी अंधेरे कोने में मुँह छिपाते नजर आएंगे, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया ठीक उलटी होती है। वे शहरों के मुख्य चौराहों पर पालथी मार कर बैठ जाते हैं और झँठी अकड़ की जीती-जागती प्रतिमा बन जाते हैं। वे कभी संसद तो कभी विधानसभा के सामने प्रतिष्ठित महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने खड़े होकर बापू को सत्य और अहिंसा के बोझ से झक्के देखकर आश्चर्य करते हैं कि वह उनकी तरह निंदर क्यों न हुए फिर उस मूर्ति के सामने संवाददाताओं की भीड़ इकट्ठा करके वे दहाइने लगते हैं-बापू को छोड़ो, हम जैसों को देखो, जो किसी से नहीं डरते। शास्त्रीय संगीत के बड़े-बड़े गायक तार सप्तक में तान सुनाते हुए जब अपनी आंखें मूँद लेते हैं तो उनके अपने स्वर उनके दिलोदिमाग पर छा जाते हैं। वे स्वरब्रह्म के नाद में लीन हो जाते हैं तो उन्हें और कुछ दिखना बंद हो जाता है। उसी तरह अपनी दहाड़ की अनुगूँज पर रीझे हुए इन जांबाजों को समाचार पत्रों के पहले पृष्ठ पर सुखियों के साथ प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों में मिले करोड़ों रुपये के बंडल और हीरे-मोती जड़ स्वर्णीभूषणों के जखीरों की तस्वीरें दिखनी बंद हो जाती हैं। समाचार चैनलों द्वारा टीवी स्क्रीन पर दिन-रात दिखाई जा रही महानगरों के सबसे महंगे लक्जरी फ्रैट की दीवारों पर लटके उनके और उनके छोटे-मोटे कारिदों के नाम की तस्खियां उन्हें चतुर बूनकरों द्वारा बुने जा रहे तथाकाथृत पारदर्शी वस्त्र की तरह दिखाई नहीं देती, भले हर बच्चा चीख कर कह रहा हो कि राजा नंगा है। छीलेचेयर में बैठकर भी उनके होठों पर एक ही नारा होता है, 'हम किसी से नहीं डरते।' वे अपने ईर्पिंग अपने जैसी ही भीड़ इकट्ठी करने में सिद्धहस्त होते हैं उनके चेलों और किराये के टट्टुओं की भीड़ भी बेधइक होती है। वह पुलिस द्वारा खड़ी की गई बैरिकेड पर चढ़ जाती है और उसे तोड़ती है। बसों और रेलगाड़ियों को फूक ढालती है। निजी और सरकारी संपत्तियों को तहस-नहस करने में कोई भेदभाव नहीं बरतती। 'हम किसी से नहीं डरते' का मंत्र जपती हुई इस भीड़ को सेना में भर्ती करक चीन के साथ लगाने वाली देश की सीमाओं पर भेजा जाता तो शायद डोकलाम और गलवन घाटी में चीनी सैनिक एक-एक कदम फूँककर उठाते। जब इननी बड़ी सख्ता में आंदोलनवीर उपलब्ध हैं तो और अग्निरों की भर्ती करने की क्या जरूरत, यह रक्षा मंत्रालय के लिए एक मौजूद सुवाल है अग्नियथ पर चलने वाले इन साहस के पुतलों के दिल केवल अपनी निजी समृद्धि बढ़ाने के लिए धड़कते हैं। अपने दिल की धड़कन के आगे उन्हें किसी सानुन, कोर्ट, कचहरी की पुकार नहीं सुनाई पड़ती। काश इन बे धड़क खिलाड़ियों को कामनवेल्थ खेलों में भाग लेने के लिए भेजा जाता। वहां हर तरह की बाधा दौड़ के ऊपर से ऊंची छलांग मारने के प्रयत्न में वे चोटिल हो जाने पर भी अपनी हार कभी नहीं मानते। ऐसी अद्भुत बहाउरी और मानसिक बल का प्रदर्शन करके वे जाने कितने स्वर्ण पदक लाते। अफसोस कि निजी संपदा के अर्जन में माहिर इन बेधइक वीरों के दिल कामन वेल्थ अर्थात् साझा संपदा के लिए धड़कना नहीं जानते। ईडी अपनी आवाज को भरसक सुरीली बनाकर उनसे कहता रहता है, 'दिल धड़क-धड़क के कह रहा है आ भी जा, तू मुझसे आंख ना चुरा, तुझे कसम है आ भी जा', लेकिन वे सौं बहाने बनाकर उससे दूरी बनाए रखते हैं। अंततः जब अदालतों के आदेश के सहारे ईडी उन्हें अपने आगोश में बांध पाती है तो उसके नागापाश में बंधे-बंधे भी उनके होठों से बस एक ही बात निकलती है कि वे बेधइक हैं। वे किसी से डरते नहीं, क्योंकि जो डर गया सो मर गया।

## **प्रधानमंत्री ने किया वर्ल्ड डेयरी समिट का उद्घाटन**

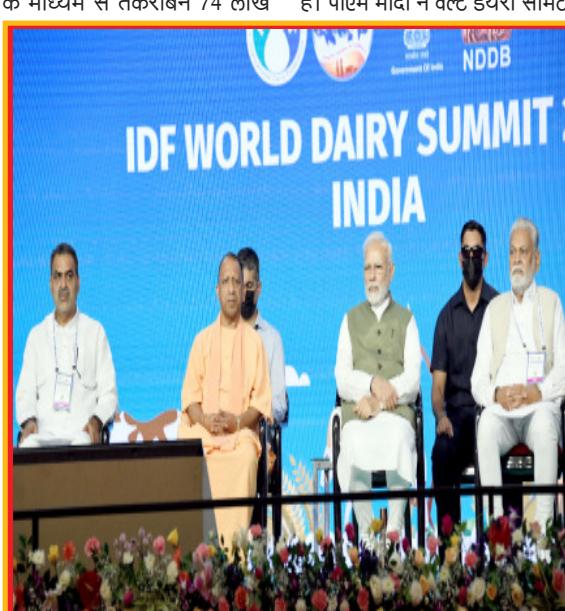
### **48 साल बाद भारत का मिला सनहरा मौका**

## 48 साल बाद भारत का मिला सुनहरा मौका

नोएडा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ल्ड डेयरी समिट में हिस्सा लेने प्रेरणा नोएडा पहुंचे। तकरीबन 48 साल के बाद भारत को इस समिट की मेजबानी करने का मौका मिला है। चार दिवसीय कार्यक्रम में दुग्ध उत्पादन से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। देश-विदेश के 156 विशेषज्ञ इस सम्मलेन को संबोधित करेंगे। इससे किसानों को अत्याधुनिक जानकारी मिल सकेगी। समिट को संबोधित करते हुए पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला ने संबोधित किया। उनके उद्घाटन संबोधन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समिट का उद्घाटन किया। शुरुआत में पीएम मोदी ने एक शॉर्ट फिल्म भी जारी की। पीएम मोदी ने इस मौके पर बताया कि टेक्नोलॉजी के साथसाथ में उत्तरीय 31 जनवरी किसान जुड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड डेयरी समिट को संबोधित करते हुए इस क्षेत्र में भारत के दबदबे का उल्लेख किया। इससे पहले पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला ने बताया कि 4 दिवसीय इस वैश्वक सम्मेलन में कुल 24 सेशन होंगे और जिन्हें 156 विशेषज्ञ संबोधित करेंगे। पीएम मोदी ने समिट के पहले दिन अपने संबोधन में बताया कि दुनिया भर में डेयरी सेक्टर 2 फीसद की रफ्तार से बढ़ रहा है, जबकि भारत में यह सेक्टर 6 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रहा है। उन्होंने इस सेक्टर में महिलाओं की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डेयरी सेक्टर में काम करने वाले कुल वर्कफोर्स में 74 फीसद महिलाएँ हैं। पीएम सेरीजे ने एक वैरागी अधिक

में पशु आधार योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पशुओं का डेटाबेस तैयार करने के लिए पशु आधार योजना चलाई जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि डियर्यार सेक्टर का सामर्थ्य न सिर्फ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देता है, बल्कि ये दुनिया भर में करोड़ों लोगों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है। विश्व के विकसित देशों से अलग भारत में डेयरी सेक्टर की असली ताकत छोटे किसान है। बन्नी भैंस का उल्लेख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ण्ण डेयरी समिट के पहले दिन राजस्थान की बन्नी भैंस का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भीषण गर्भ में भी इस प्रजाति की भैंस कैसे किसानों का सहारा बनती है। साथ ही उन्होंने गोबर से भैंस और गोबर के दूध से भैंस का

बताया। पीएम ने बताया कि डेयरी सेक्टर का सामर्थ्य न सिर्फ़ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देता है, बल्कि ये दुनिया भर में करोड़ों लोगों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है। पशुओं का तैयार हो रहा डेटाबेस पीएम मोदी ने र्लट डेयरी समिति में पशु आधार योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पशुओं का डेटाबेस तैयार करने के लिए पशु आधार योजना चलाई जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि डेयरी सेक्टर का सामर्थ्य न सिर्फ़ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देता है, बल्कि ये दुनिया भर में करोड़ों लोगों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है।



# आरक्षण की समग्र समीक्षा का समय उच्चतम न्यायालय की पहल स्वागतयोग्य

मुख्य न्यायाधीश यूयू अध्यक्षता वाली उच्चतम प की पांच सदस्यीय पीठे ने आर्थिक रूप से वर्गों को दस प्रतिशत देने वाले कानून की तत्त्व की पड़ताल करने का केया है। उल्लेखनीय है 9 में संसद ने 103वें संशोधन द्वारा आर्थिक उड़वी के लिए शैक्षणिक और नौकरियों में दस वर्ग के आरक्षण की पात्रता तय करने में परिवार के साथ स्वयं अभ्यर्थी की आय को भी आधार कर्यों बनाया गया है? एक प्रश्न यह भी है कि अन्य पिछड़ा वर्ग की तरह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रविशन कर्यों नहीं किया जाना चाहिए? अन्य पिछड़े वर्गों के साथ अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों का सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़पन के अंशाएं पर उपतिभजन

आरक्षण-लभ से वंचित क्यों नहीं किया जाना चाहिए? इसी के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि आरक्षित पद खाली क्यों पढ़े रहते हैं वर्तमान आरक्षण व्यवस्था से वर्छित परिणाम प्राप्त न होने के दो बड़े कारण हैं। पहला, आरक्षण सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण का उपकरण बनने से अधिक गोटवैक का विषय बन गया है। दूसरा, यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रदर्शनक्रम में ऊंचे

है। वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की विसंगतियां सबके सामने स्पष्ट हैं, लेकिन उन पर विचार करने की कोई ठोस पहल नहीं हो रही है। जैसे हर व्यवस्था अथवा नियम-कानून की समय-समय पर समीक्षा होती है, वैसे ही आरक्षण की क्यों नहीं हो सकती? आरक्षण की समीक्षा इसलिए आवश्यक है ताकि इसका पता लगाया जा सके कि उसका अपेक्षित लाभ उन तबकों को मिल रखा है या नहीं जिनके

फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। इसीलिए रोहिणी आयोग की आरक्षण के वर्गीकरण संबंधी संस्तुतियों को यथाशीर्घ्र लागू किया जाए, ताकि पिछड़ों में अति पिछड़ों को भी आरक्षण का लाभ मिल सके। इसी तरह का वर्गीकरण अनुसूचित जातियों और जनजातियों को मिल रहे आरक्षण में भी किया जाना चाहिए। जब पात्र लोगों को ही आरक्षण मिलने की व्यवस्था बनाई जाएगी तभी तेरुमाला भारत में

निर्धारण का आधार बनाने से प्रारंभिक स्तर पर तो आवेदक मिल रहे हैं, लेकिन ऊपर के पदों की रिक्तियाँ खाली पड़ी हैं, क्योंकि उनके लिए अनुभव आवश्यक अहमता है। इसलिए आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गी के लिए आरक्षण लागू होने के बाद से इस प्रकार की अनुभव आद्यारित सभी दस प्रतिशत सौटे खाली पड़ी हैं। एक रिसंगति यह भी है कि आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गी के आरक्षण की प्रवत्ति चिर्तीरण के



भावी पीढ़ी पर मंडराता खतरा, परिवार, स्कूल एवं समाज में निरंतर संवाद के अभाव से दबाव में बच्चे

कोरोना के प्रभाव को लेकर देश में विगत दो वर्षीय में अनेक सर्वेक्षण हुए, जिनके निष्कर्ष बताते हैं कि इसने देश के आम जनजीवन के साथ शिक्षा, शिक्षण और छात्रों को भी काफी हद तक प्रभावित किया है। छात्र चूंकि संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था के आधार स्तंभ हैं, इसलिए उन पर पड़ने वाला प्रभाव देश और समाज को भी प्रभावित करता है। इसी संदर्भ से जुड़ा एक प्रमुख सर्वेक्षण राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा देश के 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 3.79 लाख छात्रों पर किया गया है। यह सर्वेक्षण एनसीईआरटी की मनोर्धर्ण इकाई द्वारा जनवरी-मार्च 2022 में कक्षा छठ-आठ तथा नौ-12 के छात्रों के बीच दो श्रेणियों में किया गया था। इसमें सामने आया कि देश के 33 प्रतिशत यानी एक तिहाई छात्र परीक्षा और उसके परिणाम की चिंता को लेकर हमेशा दबाव में रहते हैं। 51 प्रतिशत छात्र आज भी आनलाइन पढ़ाई में कठिनाई महसूस करते हैं। 81 प्रतिशत छात्र पढ़ाई, परीक्षा और

परिणाम को लेकर अधिक चिंतित रहते हैं। हालांकि 73 प्रतिशत छात्र स्कूली जीवन से संतुष्ट दिखाया दिए। बदलाव के साथ समायोजन को लेकर 43 प्रतिशत छात्रों ने अपनी सकारात्मक सहमति जताई। वहाँ 45 प्रतिशत छात्र शारीरिक छवि को लेकर तनाव से ग्रस्त पाए गए। यहाँ छात्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अपने इस तनाव प्रबंधन के लिए योग एवं ध्यान के साथ-साथ अपने सोच में बदलाव करने और जर्नल्स लिखने जैसे माध्यमों का प्रयोग करते हैं। इसके अलावा बच्चों

में इस मैकाले शिक्षा व्यवस्था के जरिये पनपने गाली कुंठा और ईर्ष्या के चलते शिक्षा के मंदिरों में हिंसा की घटनाएं भी किसी से छिपी नहीं हैं। गास्त्र में बच्चों पर इस मानसिक दबाव के लिए इस शिक्षा प्रणाली के साथ-साथ परिवार और समाज का प्रतिस्पर्धी माहौल भी कम दोषी नहीं है। भारतीय सामाजिक ढांचे में आ रहे सतत बिखराव, संयुक्त परिवार प्रणाली का खिड़कन, नगरों में मां-बाप दोनों का कामकाजी होने तो सैकड़ों से बच्चे परिवारों में लगातार उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं।



# हिंदी दिवस 2022: क्या समारोहों व जलसों से बाहर निकल पाएगी राष्ट्रभाषा

बेटा को आवाज देकर कहा कि डायरी में से देखकर मोबाइल नंबर लिखवाना, उसने शुरू किया हुनाइन्टी फोरक्स मैने कहा हिंदी में बोलो वो हंसते हुए बोला पापा हिंदी में नहीं आता, मुझे बस हुन्तैतीसँग तक हिंदी में मालूम है उसके आगे नहीं। बेटा को आवाज देकर कहा कि डायरी में से देखकर मोबाइल नंबर लिखवाना, उसने शुरू किया हुनाइन्टी फोरक्स मैने कहा हिंदी में बोलो वो हंसते हुए बोला पापा हिंदी में नहीं आता, मुझे बस हुन्तैतीसँग तक हिंदी में मालूम है उसके आगे नहीं।

अंदर के खोखलेपन का पता चलता है। जब तक हम स्वयं अपने देश की धरोहर हमारी मातृभाषा का सम्मान नहीं करेंगे तब तक हम इसे इसका खोया हुआ सम्मान दिला नहीं पायेंगे। अपनी भाषा से प्रेम भी राष्ट्र भक्ति है वहीं ठीक इसके उत्तर भी ऐसा ही है। किसी भी तरह की भाषा को सीखना, उसे

एक क्षितिज पर खड़ा होकर देश के भीतर झांकता है तो उसे अपने ही लोगों के बीच एक खाई नजर आती है। भाषाओं की विविधताओं का जोड़ है हिंदी यह खाई इन पढ़े-लिखे यवाओं को ही अकेला खड़ा कर देती है क्योंकि देश में आज भी हिंदी भाषाई ज्यादा है। इन पढ़े-लिखे यवाओं में तकनीकी एकता



अपनी भाषा के प्रति हान-भावना रखना देश के प्रति गद्धारी के समान है। अक्सर देखने में आता है पढ़ा लिखा युवा वर्ग जो बड़ी -बड़ी कंपनी में नौकरियां कर रहा है उसे आज के समय में न तो हिंदी का कोई भविष्य, न ही हिंदी में अपना भविष्य दिखाई देता है, क्योंकि वह अपने आस-पास के दायरे में रहकर सोच रहा है जो दायरा हमने उसको दिया है। उसे एक सफल भविष्य चाहिए जिसमें नौकरी, पैसा व नाम हो उसके लिए हिंदी का होना जरुरी



